**जिला सूचना कार्यालय हरिद्वार।**
**निकट देवपुरा चौक, पुरानी कचहरी, हरिद्वार।**
E-mail: suchnaharidwar@gmail.comदूरभाष / फैक्स : 01334–226695, मोबाइलः 7055007017

**दिनांक 19 नवम्बर,2020**

## प्रेस विज्ञप्ति

हरिद्वार । जिलाधिकारी हरिद्वार श्री सी0 रविशंकर की अध्यक्षता में कल जिलाधिकारी कैम्प कार्यालय में आई0टी0सी0 प्रा0 लि0 सिडकुल द्वारा सीएसआर मद के अन्तर्गत ग्रीन टेम्पल पहल के सम्बन्ध में बैठक आयोजित हुई।

बैठक में जिलाधिकारी को आई0टी0सी0 प्रा0 लि0 सिडकुल के अधिकारियों ने ग्रीन टेम्पल की क्या अवधारणा है, खासतौर पर मॉ मनसा देवी एवं मॉ चण्डीदेवी को ग्रीन टेम्पल मॉडल के रूप में प्रस्तुत करने के सम्बन्ध में वीडियो एवं एनीमेशन फिल्म के माध्यम से विस्तार से बताया कि मॉ मनसा देवी एवं मॉ चण्डी देवी में 15 से 20 हजार श्रद्धालु प्रतिदिन, लगभग एक लाख के करीब नवरात्रों व अन्य विशेष पर्वों के अवसर पर दर्शन करने आते हैं। दोनों शक्तिपीठों का रास्ता काफी लम्बा है। रास्तों में ही ज्यादा कूड़ा होता है। यह लगभग 390 किलो प्रतिदिन निकलता है, जिसका निस्तारण आंशिक रूप से ही हो पाता है। इसके अतिरिक्त मन्दिरों के आसपास पूजा सामग्री, खाद्य सामग्री आदि की कई दुकानें हैं, जो कई प्रकार का कूड़ा मन्दिर परिसर अथवा आसपास बिखेरते रहते हैं, जिससे आसपास का वातावरण दूषित होने के साथ ही जैव विविधता का भी खतरा है तथा कूड़े से आकर्षित होकर जंगली पशु आदि भी आबादी वाले क्षेत्रों में आ जाते हैं।

आई0टी0सी0 के अधिकारियों ने ग्रीन टेम्पल मॉडल के सम्बन्ध में बताया कि हम सर्वप्रथम कमेटी गठित करेंगे, मन्दिर से प्राप्त फूलों–जैसे गुलाब, गैंदा आदि को अलग–अलग करके धूप व अगरबत्ती व हवन सामग्री बनायेंगे, जिसका प्लांट सबसे पहले लगायेंगे तथा इसकी मार्केटिंग का खास ध्यान रखा जायेगा, अवयव से खाद बनायेंगे, जो खेती में इस्तेमाल होगा तथा बायोगैस मन्दिर में, प्रसाद आदि बनाने में इस्तेमाल किया जायेगा। यहां से निकलने वाली प्रत्येक वस्तु के निस्तारण के लिये अलग–अलग योजना बनाई जायेगी। उन्होंने यह भी बताया कि 52 किलो कूड़ा प्रतिदिन ऐसा निकलता है, जिसे रिसाइकिल किया जा सकता है, प्लास्टिक–नायलॉन कैरी बैग, कप आदि को प्रतिबन्धित करके रोका जा सकता है, सम्बन्धित को ग्रीन टेम्पल अवधारणा के अनुसार प्रशिक्षण देकर प्रशिक्षित किया जायेगा, व्यापारियों को जागरूक किया जायेगा, ग्रीन टेम्पल की अवधारणा के अनुसार प्रचार–प्रसार किया जायेगा, रूचि रखने वाले एन0जी0ओ को भी इसमें शामिल किया जायेगा। उन्होंने बताया कि आई0टी0सी0 तमिलनाडू में मदूरै सहित तीन मन्दिरों को ग्रीन टैम्पल के रूप में विकसित कर चुकी है, जहां व्यवस्थित ढंग से कार्य चल रहा है। उन्होंने कहा कि यहां हम इसे यहां के मन्दिरों के अनुसार डिजायन बनायेंगे।

बैठक में दोनों मन्दिरों के परिसरों को टाइगर रिजर्व क्षेत्र से बाहर करने के सम्बन्ध में भी चर्चा हुई। जिलाधिकारी ने बैठक में उपस्थित वन एवं वन्य जीव विभाग के अधिकारियों से इस सम्बन्ध में पूछा तो उन्होंने बताया कि दोनों मन्दिरों के परिसर को टाइगर रिजर्व क्षेत्र से बाहर करने में कोई दिक्कत नहीं है।

बैठक में दोनों मन्दिर परिसरों में वेंडिंग जोन विकसित करने, ग्रीन टेम्पल का लोगो तैयार करने, इकट्ठा होने वाले कूड़े के निस्तारण, मन्दिरों के रास्तों पर अलग–अलग रंगों के कूड़ेदान लगाने आदि के सम्बन्ध में भी चर्चा हुई।

जिलाधिकारी द्वारा पूछे जाने पर कि कब तक आप ये योजना प्रस्तुत कर देंगे, के जवाब में आई0टी0सी0 के अधिकारियों ने बताया कि दिसम्बर के प्रथम सप्ताह में ग्रीन टेम्पल का मॉडल प्रस्तुत कर देंगे।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि ग्रीन टेम्पल प्रोजेक्ट में काफी कार्य हो चुका है। अब आप आपसी समन्वय से इस प्रोजेक्ट को धरातल पर लाने में पूरी लगन एवं मेहनत से लग जाइये। आपको सभी का पूरा सहयोग प्राप्त होगा।

बैठक में अपर जिलाधिकारी(वित्त एवं राजस्व)श्री के0के0 मिश्रा, सिटी मजिस्ट्रेट श्री जगदीश लाल, आई0टी0सी0 के अधिकारीगण, मॉ मनसा देवी एवं मॉ चण्डी देवी मन्दिर समितियों के पदाधिकारीगण व अन्य सम्बन्धित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित थे।